

जिस पे तेरी नज़र पड़ गई मेरी माँ | By Sanyukta Tiwari |

जिस पे तेरी नज़र पड़ गई मेरी माँ
उसको फिर क्या कमी रह गई है यहाँ
तेरे कदमों में सारा जहाँ मेरी माँ
दर तेरा छोड़कर अब मैं जाऊँ कहाँ
जिसपे तेरी नज़र पड़ गई मेरी माँ

मान सम्मान तुझसे मिला है मुझे
एक तेरा ही तो बस आसरा है मुझे
तेरे चरणों में अर्पित है सारा जहाँ
दर तेरा छोड़कर अब मैं जाऊँ कहाँ
जिसपे तेरी नज़र पड़ गई मेरी माँ

तू जिसे चाहे वो शिखर पर रहे
तेरी करुणा सदा मेरे सिर पर रहे
माँ प्रकट हो तुझे मैं ध्याऊँ जहाँ
दर तेरा छोड़कर अब मैं जाऊँ कहाँ
जिसपे तेरी नज़र पड़ गई मेरी माँ

इस अकेले जग की नाविक है जगदंबिका
पूजता है जगत तुझको माँ अंबिका
है तेरे आसरे मेरा जीवन यहाँ
दर तेरा छोड़कर अब मैं जाऊँ कहाँ
जिसपे तेरी नज़र पड़ गई मेरी माँ

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%9c%e0%a4%bf%e0%a4%b8-%e0%a4%aa%e0%a5%87-%e0%a4%a4%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%a8%e0%a4%9c%e0%a4%bc%e0%a4%b0-%e0%a4%aa%e0%a4%a1%e0%a4%bc-%e0%a4%97%e0%a4%88-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0/>